दिव्य सूक्त ~ प्रयत्नहीन प्रयत्न

दूसरों को यह बताने की जगह कि उन्हें क्या करना चाहिए

और उनके वैसा करने तक रुकने के बजाय,

तुम खुद ही कल्याणकारी कृत्य करके, शुरुआत क्यों नहीं करते?

~ गुरुमाई चिद्विलासानन्द

संस्कृत भाषा में 'दिव्य' का अर्थ होता है दैवी या ईश्वरीय, और 'सूक्त' का अर्थ है, वह कथन जो सर्वोच्च सत्य को उजागर करता है। दिव्य सूक्त : ईश्वर के विषय में सिखावनियाँ।

© २०१७ एस.वाय.डी.ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।